भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.4868

दिनांक 01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

दार्जिलिंग चाय के उत्पादन में गिरावट

4868. श्री राजू बिष्ट:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दार्जिलिंग चाय के उत्पादन में गिरावट के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और चाय बोर्ड भारत द्वारा चिन्हित किए गए प्राथमिक कारकों का ब्यौरा क्या है;

(ख) दार्जिलिंग चाय के उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के उपशमन हेतु किए जा रहे विशिष्ट उपायों का ब्यौरा क्या है और इस उद्योग का स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए तैयार की जा रही दीर्घकालिक कार्यनीतियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) कामगारों की कार्य दशाओं में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(घ) दार्जिलिंग चाय के उत्पादन में कमी और निर्यात की मात्रा पर संभावित प्रभाव को देखते हुए, इसके वैश्विक ब्रांड और बाजार स्थिति को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए कार्यान्वित की जा रही कार्यनीतियों का ब्यौरा क्या हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): दाजलिंग चाय का उत्पादन विभिन्न कारकों से प्रभावित होता है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ पुरानी और जीर्ण चाय की झाड़ियां, जैविक चाय में रूपांतरण शामिल हैं जिससे कम पैदावार होती है और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के लिए चाय बोर्ड द्वारा अपनाए गए उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ सूखा सहिष्णु कल्टीवरों का रोपण करना, फार्म प्रबंधन पद्धतियों में सुधार करना, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, चाय में जैविक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, छंटाई कूड़े

को रोकना और पेड़ों से गिरे अपशिष्टों को साझा करना, अपघटित चाय अपशिष्ट का अनुप्रयोग, मृदा अपक्षरण को कम करने और मृदा तापमान में वृद्धि को न्यूनतम करने के लिए रसीले वानस्पतिक पदार्थ के साथ मल्चिंग करना, एकीकृत कीट प्रबंधन, छायादार पेड़ों की इष्टतम संख्या बनाए रखना, उचित जल निकासी प्रणालियों का निर्माण और बेहतर जल प्रबंधन के लिए वर्षा का जल संचयन शामिल है।

(ग): देश में चाय बागान कामगारों की कार्य दशा का विनियमन बागान श्रम अधिनियम, 1951 द्वारा होता है, जिसे संबंधित राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

(घ): चाय बोर्ड नियमित रूप से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारतीय चाय का संवर्धन करता है। दार्जिलिंग चाय सहित भारतीय चाय का जेनेरिक संवर्धन चाय बोर्ड द्वारा विभिन्न घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, मेलों एवं प्रदर्शनियों, चाय चखने एवं चाय नमूना संबंधी क्रियाकलापों तथा विदेश स्थित विभिन्न भारतीय मिशनों में भागीदारी के माध्यम से किया जाता है।

***